

June 4, 2018

Business Bhaskar

Page No.3

नवी पेढीनां उद्योग साहसिको पारिवारिक व्यवसायोमां जोडावानुशा माटे पसंद करतां नथी?... नवी पेढीनां उद्योग साहसिकोने नवा व्यवसायनी तक...

पा। रिवारिक व्यवसायमां जोडावाथी नवी पेढीने केटलांक स्वाभाविक पडकारोनो सामनो करवो पडे छे. सौप्रथम तेमने जनरेशन गेपानो सामनो करवो पडे छे, जेमा केटलांक व्यावसायिक पासांओने लઈने जूनी पेढी साथे भत्तेदो उभा थाय छे. सौधी भोटो फरक बे पेढीओ

**स्टार्टअप
टो५**

डो. ललित शर्मा

अगाउँ कुटुंबनां सभ्यो वच्चे पोतानी क्षमता पुरवार करवा पडे छे, कारण के जूनी पेढी नवी पेढीनी क्षमतामां विश्वास धरावती नथी अने पोतानी आगावी शंकाओ पशा होय छे, खास करीने शरुआतातनां तबक्कामां. आ कारणे नवी पेढी हताश थई शके छे अने घण्टां किस्साओमां नवी पेढी

पोतानु आगावु साहस शरु करवा प्रेरित थई होय तेवु पृष्ठ बन्यु छे. नवी पेढी पोतानां व्यवसाय पर संपूर्ण नियन्त्रण धरावे छे अने तेमां कुटुंबनां कोई सभ्योनो छस्त्रेप होतो नथी. नवां स्टार्ट-अप्सनी वृद्धि भाटे आ वात सारी लागे छे, छतां लांबा गाणे तेनाथी पारिवारिक व्यवसायने भोटो फटको पडी शके छे, जेने विक्सावामां केटलांक वर्षो लायां होय छे. पारिवारिक व्यवसायना भोगे स्टार्ट-अप्स तरक्क वण्वुं उचित नथी. अत्यारनी युवा पेढी नवा विचारो धरावे छे, उत्साहसभर के अने श्रेष्ठ कामगीरी करवा सज्ज छे. तेओ विस्तरण करवा, विविधता लाववा, लेटेस्ट टेक्नोलोजी स्वीकारवा, जोडाश करवा तेमજ छालनां व्यवसायने वधारे असरकारक अने कार्यदक्ष भानाववा नोंधपाने केरकारे

करवा तैयार छे. तेओ व्यवसायने नवा परिप्रेक्ष्यमां जोडा आतुर छे अने नवी अभिगम अपनाववा तैयार छे. जेको कुटुंबनी मालिकीनां व्यवसायो नवा विचारो अने अभिगमो अपनाववा जडपथी तैयार नथी. कौटुंबिक मालिकीना केटलांक कुपनीओ तेमनी कामगीरीमां नवीन अभिगम अपनाववानी तथा तेमनी कामगीरी अने प्रक्रियाने व्यावसायिक स्वरूप आपवानी जडुरियात समज्ज छे तेम छतां बहु थोडी कुपनीओ अने तेनां पर वास्तविक कामगीरी शरु करी छे. तेओ तेमनां छालनां संतुलनने झोरना शके तेवा कोई पश्च प्रकारनां भोटां जोखमथी दूर रहे छे. जो पारिवारिक व्यवसायो सारी कामगीरीनी परेपरा आगण वधारवा ईर्षतां होय, तो तेमनो नवी पेढीनी जडुरियातो

अने ईच्छाओ समज्जी पउशे तेमज तेने पूर्ण करवी पडशे. पीडब्ल्युसीनां अडेवाल मुज्जब व्यवसायनु आधुनिकीकरण/व्यावसायिक अभिगम लाववामां भद्र करवा कुटुंबनी भाहारनी अने अनुभवी व्यक्तिने भेनेजर तरीके लाववा ईर्ष्ये छे; व्यवसायने नवा भाजरोमां लई ज्वा ईर्ष्ये छे; उत्पादन, सेवाओमां विविधता लाववा ईर्ष्ये छे. परेपरागत व्यवसायी साथे नवा उद्योग साहसो स्थापित करवा भागे छे. अत्यारे दरेक पेढी आगामी पेढीना हितोनो काणज्जपूर्वक विचार करे अ जडुरी छे. ज्यारे जूनी पेढी आगामी पेढीनो काणज्जपूर्वक विचार करवा पडशे अने परिवर्तनो स्वीकारवा तैयार रहेकुं पडशे, त्यारे नवी पेढी अ जूनी पेढीनी वास्तविक चिंता समज्जी पडशे, जे लांबा गाणे संस्थानी कामगीरीमां स्थिरता, सातत्य अने संतुलन जाणवशे.

(लेखक: फेक्टरी, ईडीआईआइछे)

